बालमन कुछ कहता है

classmate
Date ______
Page ______

जब मेरे अध्यापक पहली बार कक्षा मे आए।

जब मेरे अध्यापक कक्षा मे पहली बार आए। तो उन्होंने सबसे पहले अपना परिचय बताया और कहा की मैं पहले दूसरे स्कूल मे पढ़ाता था। लेकिन अब मेरा ट्रांस्फर सर्वोदय बाल विद्यालय फतेहपुर बेरी मे हो चुका है। और बताया कि अब मे कक्षा-नवम् अ का किलाश टिचर बन चुका हूँ। हमे बहुत खुशी हुई की अब हमारी पढ़ाई बहुत अच्छी होगी। लेकिन अध्यापक ने देखा की कुछ लड़के कक्षा मे झगड़ा या मार पीट करते है। उन्हे समझायाँ की कक्षा मे अनुशासन बनाए रखे। फिर कहा की मै हिन्दी का टिचर हूँ। और सभी विद्यार्थी को बोले की जो कोई अपने जीवन मे कुछ भी बनाना चाहते हो। जैसे टिचर, डॉक्टर इंजीनियर आदि वे सभी एक पन्ने पर लिखकर दे ताकि मै बता सकू कि तुम्हे बनाने के लिए कितनी मेहनत व पढ़ाई करनी पढ़ेगी। हमे यहा बताया कि तुम्हे पिरियड़ से नही भागना चाहिए। अपनी पढ़ाई की ओर ज्यादा ध्यान दो ताकि पेपरो मे कुछ अच्छे नम्बरो से पास हो सको। फिर टिचर ने कहा की आज हम क्षितिज किताब का पाठ एक कुत्ता और एक मैना पढ़गें। और व्याकरण भी समझायाँ हमारे टिचर ने देखा की कुछ लड़को के ड्रास फटे हुए पहना कर आते है। और कहा कि मेरी कक्षा मे कुछ लड़के लेट भी आते है। फिर हमे बताया की तुम्हारी कक्षा गंदी भी है। हमसे पूछा की पहले तुम्हे हिन्दी कौन पढ़ाता था लेकिन मुझे बहुत ही खुशी हुई कि मुझे हिन्दी के बहुत अच्छे अध्यापक मिले मे भगवान का धन्यवाद करता हूँ।

नाम -> चंदन कुमार
कक्षा -> X^{th}-A
स्कूल -> सर्वोदय बाल विद्यालय, फतेहपुर बेरी, नयी दिल्ली-74

बालमन कुछ कहता है

classmate
Date ______
Page ______

कक्षा अध्यापक

जब मैंने यह सुना की हमारे कक्षा अध्यापक बदल गये हैं, तब मैं थोड़ा डर गया की आने वाले अध्यापक कैसे होंगे। कुछ दिनो बाद जब हमारे कक्षा अध्यापक कक्षा मे आये तो उनके चेहरे से देखकर ऐसा लग रहा था कि वह बहुत सुलझे सुभाव वा शांत व्यवहार के प्रतीक दीख रहे थे फिर बाद में मैंने सोचा कि इनका पढ़ाने का तरीका कैसा होगा। परंतु जब उन्होंने मुझे पढ़ाया तो बहुत अच्छा लगा। उनका पढ़ाने और समझाने का तरीका बहुत अच्छा था। मैं बहुत खुश था, हमारे कक्षा अध्यापक बहुत अच्छा है।
जब-जब सर पढ़ाते हैं बहुत अच्छा लगता है और जो वो पढ़ाते है वो बड़ी आसानी से याद हो जाता है, सर सब बच्चों को यह समझाते है कि तुम स्कूल मे लेट मत आया करो, अपनी पढ़ाई अच्छे से किया करो कक्षा मे किसी से भी झगड़ा मत किया करो, मुझे पता है कि तुम पढ़ाई मे इतने अच्छे नही हो पर तुम अगर मेहनत करोगे तो तुम कुछ बन जाओगे लेकिन कक्षा मे कुछ ऐसे भी बच्चे है जो हिन्दी भी नही लिख सकते है, मै उन से बार-बार कहता हूँ पढ़ाई किया करो कुछ बनकर अपने माता पिता की सेवा कर सकोगे कुछ माता पिता की भी फिकर किया करो वह सोचते होगे की मेरा बेटा पुलिस बनेगा और हमारा नाम रोशन करेगा। लेकिन आज से पहले ऐसा अध्यापक नहीं मिला जो इतना अच्छा पढ़ाता हो मुझे गर्व है कि मै ऐसे अध्यापक द्वारा पढ़ रहा हूँ मैं भगवान का सच्चे दिल से धन्यवाद करता हूँ की हमें इस प्रकार का अध्यापक मिला भगवान हमारे अध्यापक को लम्बी उम्र दे।

नाम → नवलकिशोर
कक्षा — Xth A
स्कूल - सर्वोदय बाल विद्यालय, फतेहपुर बेरी नयी दिल्ली-74